अध्याय 6. एक लेख और एक पत्र

लेखक परिचय
लेखक- भगत सिंह
जन्म- 28 सितंबर 1907 ई.
जन्म स्थान- बंगा चक्क, न० 105, गुगैरा ब्रांच, वर्तमान लायलपुर (पाकिस्तान)
पैतृक गाँव- खटकडकलाँ, पंजाब
शहीद 23 मार्च 1931 (शाम 7:33 मिनट पर लाहोर षड्यंत्र केस में फाँसी)
शहीद स्थान- लाहोर सेंट्रल जेल
माता- विद्यावती
पिता- सरदार किशन सिंह
⇒ परिवार-
(i) संपूर्ण परिवार स्वाधीनता सेनानी थे।
(ii) पिता और चाचा अजीत सिंह लाला लाजपत राय के सहयोगी थे।
(iii) अजीत सिंह को माँडले जेल में देश से निकाल दिया गया था ।
(iv) बाद में अजीत सिंह विदेशों में जाकर मुक्तिसंग्राम का संचालन करने लगे थे।
(v) छोटे चाचा सरदार स्वर्ण सिंह जेल की यातनाओं के कारण 1910 में उनका निधन हो गया।
(vi) भगत सिंह के पिताजी अनेक बार जेल गए हैं।
(vii) भगत सिंह के शहीद होने के बाद उनके भाई कुलबीर सिंह और कुलतार सिंह के देवली कैप जेल में रखा गया। था जहाँ वे 1946 तक रहे।

⇒ शिक्षा-
(i) पहले चार साल की प्राइमरी शिक्षा अपने गाँव दंगा में किये थे।
(ii) फिर उन्होनें लाहोर के D.A.V. स्कूल से वर्ग नौ तक की पढ़ाई कियें।
(iii) उसके बाद नेशनल कॉलेज लाहोर से F.A. कियें F.A. यानी First Arts जो बारहवीं कक्षा के बराबर होता है। जिसे आज Intermediate कहा जाता है।
(iv) उन्होनें B.A. के दौशन पढ़ाई छोड़ दी और क्रांतिकारी दल में शामिल हो गए।

⇒ प्रभाव-
(i) भगत सिंह के मन में बचपन से ही करतार सिंह सराभा जिन्हें वे अपना गुरु मानते थे और 1914 के गदर पार्टी आंदोलन के प्रति तीव्र आकर्षण था।
(ii) भगत सिंह के मन में करतार सिंह सराभा की कुर्बानी का स्थाई और गहरा असर पड़ा था।
(iii) जब करतार सिंह सराभा को 16 नवंबर 1915 ई० में फाँसी दी गई थी उस समय भगत सिंह 8 वर्ष के थे।
(iv) भगत सिंह सराभा का फोटो हमेशा अपनी जेब में रखते थे। फाँसी के समय उनके जेब से यही चित्र निकला था।
→ गतिविधियाँ-
(i) 12 वर्ष की उम्र में जलियाँवाला बाग की मिट्टी लेकर क्रांतिकारी की गतिविधियाँ शुरुआत की।
(ii) 1922 में चौराचौरी कांड के बाद 15 वर्ष की उम्र में काँग्रेस और महात्मा गाँधी से मोहभंग हुए।
(iii) 1923 में पढ़ाई और घर छोड़कर कानपुर आ गए और गणेश शंकर विधार्थी के पत्र 'प्रताप' में सेवाएँ दियें।
(iv) 1926 में भगत सिंह अपने नेतृत्व में पंजाब में 'नौजवान भारत सभा' का गठन किया जिसकी शाखाएँ विभिन्न शहरों में स्थापित की गई।
(v) 1928 से 1931 तक भगत सिंह चन्द्रशेखर आजाद के साथ मिलकर "हिन्दुस्तान समाजवादी प्रजा तांत्रिक संघ" का गठन किया।
(vi) 8 अप्रैल 1929 को भगत सिंह बटुकेश्वर दत्त और राजगुरु के साथ केन्द्रीय असेम्बली में बम फेंका और गिरफ्तार हो गए।
- पहली गिरफ्तारी - 1927 ई० में (अक्टूबर 1926 में दशहरा मेले में हुए बम विस्फोट के कारण)
> दूसरी गिरफ्तारी - 1929 ई में (बटुकेश्वर दत्त और राजगुरु के साथ केन्द्रीय असेंबली दिल्ली में बम फेकने के कारण)
कृतियाँ-
(i) पंजाब की भाषा तथा लिपि की समस्या (हिन्दी में 1924 में प्रकाशित)
(ii) विश्वप्रेम (कलकत्ता के मतवाला में 1924 में प्रकाशित हिंदी लेख)
(iii) युवक (मतवाला में 1924 में प्रकाशित हिन्दी लेख)
(iv) मैं नास्तिक क्यों हूँ (1930-31) (v) अछूत समस्या
(vi) विद्यार्थी और राजनीति (vii) सत्याग्रह और हड़ताले
(viii) बम का दर्शन (ix) भारतीय क्रांति का आदर्श आदि।

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.

Note- ये सभी लेख, टिप्पणियाँ एवं पत्र भगत सिंह के दस्तावेज के रूप में प्रकाशित है।
(x) भगत सिंह ने शचींद्रनाथ सान्याल की पुस्तक "बंदी जीवन" और "डॉन ब्रीन की आत्मकथा" का अनुवाद हिन्दी में किये है।
(xi) उन्होने जेल डायरी भी लिखी है।

चार पुस्तके -
(1) समाजवाद का आदर्श (2) आत्मकथा
(3) भारत में क्रांतिकारी आंदोलन का इतिहास
(4) मौत के दरवाजे पर

Note- ये भी भगत सिंह के द्वारा लिखा गया पर अप्राप्य है। इसका कोई अता पता नही है।

महत्वपूर्ण जानकारी
(1) अमर शहीद भगतसिंह आधुनिक भारतीय इतिहास की एक पवित्र स्मृति है।
(2) भारत राष्ट के लोकमानस में उनकी युवा छवि अमिट होकर बस गई है।
(3) राष्ट्रीयता, देशभक्ति, क्रांति और युवाशक्ति के वे प्रेरणापुंज प्रतीक हैं।
(4) भगत सिंह यह अमरता लगभग तेईस वर्षों में हासिल किये।
(5) भगत सिंह हँसते-हँसते फौसी के फंदे को गले लगा लिये।
(6) भगत सिंह की रुचि साहित्य, राजनीति, दर्शन, इतिहास आदि पुस्तकों में ज्यादा थी।
(7) भगत सिंह कार्ल माक्स से प्रभावित थे।
(8) यहाँ अपने घनिष्ठ क्रांतिकारी मित्र सुखदेव के नाम भगत सिंह का ऐतिहासिक पत्र प्रस्तुत है।
(9) "एक लेख और एक पत्र" में भगत सिंह ने सुखदेव को पत्र लिखा है।
(10) प्रिन्स क्रोपोटकिन अर्थशास्त्र के विद्धान थे।
(11) इस ऐतिहासिक पत्र में भगतसिंह और सुखदेव के बीच के अंतरंग संवाद की एक शिक्षाप्रद झलक मिलती है।
(12) 'इंकलाब जिंदाबाद' भगत सिंह के सबसे प्रसिद्ध नारा है।
(13) उनका कथन 'जीवन को समाप्त कर देना तो कापरता है।'
(14) भगतसिंह के पिता और चाचा लाला लाजपत राय के सहयोगी थे।

पाठ का सारांश

प्रस्तुत "एक लेख और एक पत्र" शीर्षक पाठ भगत सिंह के द्वारा रचित है। इस पाठ में भगत सिंह कहते हैं कि विद्यार्थियों को पढ़ने के साथ-साथ राजनीति का भी ज्ञान होना चाहिए। किंतु पंजाब में पढ़ने वाले छात्रों को राजनीति से दूर रखा जाता है जिसे भगत सिंह गलत मानते हैं। उनका मानना हैं कि विदेशी शासन में देश को ऐसे नौजवानों की जरूरत है, जो देश के लिए बलिदान दे सकें। केवल पढ़ाई करके क्लर्क बन जाना शिक्षा का असली उद्देश्य नहीं है। विद्यार्थी अगर देश की समस्याएँ नहीं समझेंगे, तो भविष्य में देश का नेतृत्व कैसे करेंगे? सुखदेव को लिखे गए पत्र में भगत सिंह कहते हैं कि कष्ट सहना ही सच्चे क्रांतिकारी की पहचान है। जेल में मिलने वाली यातनाएँ उन्हें और मजबूत बनाती हैं। वे कहते हैं आत्महत्या कायरता है, और जो व्यक्ति देश के लिए लड़ रहा है, उसे कठिनाइयों से भागना नहीं चाहिए। वे रूसी साहित्य का भी उल्लेख करते हुए कहते हैं कि वहाँ के क्रांतिकारी बड़े कष्ट सहकर समाज में बदलाव लाए हैं, इसलिए हमें भी कष्ट सहकर देश की सेवा करनी चाहिए। अंत में वे कहते हैं- त्याग, संघर्ष और निरंतर प्रयास से कोई भी क्रांति जीती जा सकती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न - 5 अंक

1. भगत सिंह ने कैसी मृत्यु को 'सुन्दर' कहा है? वे आत्महत्या को कायरता कहते है, इस संबंध में उनके विचारों को स्पष्ट करें। [2011]
उत्तर- देश के लिए संघर्ष करते हुए, देश की भक्ति करते हुए कुर्बानी देने को भगत सिंह ने सुंदर मृत्यु कहा हैं। अपने सिद्धान्त पर अडिग रहते हुए फांसी को गले लगाना सुन्दर मृत्यु है। दुख से डर कर लोग आत्महत्या कर लेते हैं। यह वास्तव में कायरता है। कुछ लोग दुखों से मुक्ति पाने के लिए आत्म हत्या कर अपने मूल्यों को मिटा लेते है।

2. भगत सिंह कौन थे? [2019]
उत्तर- भगत सिंह का जन्म 28 सितम्बर 1907 ई० में हुआ था। लाहोर षड्यंत्र केस में 23 मार्च 1931 ई. को भगत सिंह को अंग्रेजों ने फाँसी के फंदे पर लटका दिया। भारत राष्ट्र के लोकमानस में उनकी युवा छवि अमिट होकर बस गई। उन्होनें देश की स्वतंत्रा के लिए अपने प्राणों का बलिदान कर लाखों सेनानियों

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.

की प्रेरणा बन गए। राष्ट्रीयता, देशभक्ति, क्रांति और युवाशक्ति के वे प्रेरणापुंज बन गए।

सप्रसंग व्याख्यात्मक - 4 अंक

1. जब देश के भाग्य का निर्माण हो रहा हो तो व्यक्तियो के भाग्य को पूर्णतया भुला देना चाहिए। [2013]

उत्तर- प्रस्तुत पंक्ति भगत सिंह द्वारा रचित "एक लेख और एक पत्र' शीर्षक पाठ से लिया गया है। इस पंक्ति के माध्यम से लेखक का कहना है कि जब देश को आजाद कराना है तब हमें 33 करोड़ लोगों के हित में सोचना चाहिए। एक आदमी को क्या कष्ट हो रहा है इसे भूल जाना चाहिए। इस विचार से हम सहमत है। आज भारत कुर्बानियों की बदौलत आजाद है।

2. हम तो केवल अपने समय की आवश्यकता की उपज है।[2020, 2022]

उत्तर- प्रस्तुत पंक्ति भगत सिंह द्वारा रचित "एक लेख और एक पत्र" शीर्षक पाठ से लिया गया है। इस पंक्ति के माध्यम से लेखक का कहना है कि मनुष्य अपने समय की आवश्यकता की उपज है। समय बलवान होता है। भारत गुलाम था इसे आजाद कराना होगा भारतीयों को जेल की सजा या मृत्यु दंड से डरना नहीं है। देश को आजाद कराना है।

3. मैं आपको बताना चाहता हूँ कि विपतियाँ व्यक्ति की पूर्ण बनाने वाली होती हैं।

उत्तर- प्रस्तुत पंक्ति भगत सिंह द्वारा रचित "एक लेख और एक पत्र" शीर्षक पाठ से लिया गया है। इस पंक्ति के माध्यम से लेखक का कहना है कि विपतियाँ मनुष्य को पूर्ण रूप से मजबूत बना देती है। उस समय व्यक्ति का साहस,सहनशीलता सामर्थ्य, अपराजय शक्ति आदि का परीक्षा हो जाता है।

4. मनुष्य को अपने विश्वासों पर दृढ़तापूर्वक अडिग रहने का प्रयत्न करना चाहिए।

उत्तर- प्रस्तुत पंक्ति भगत सिंह द्वारा रचित "एक लेख और एक पत्र" शीर्षक पाठ से लिया गया है। इस पंक्ति के माध्यम से लेखक का कहना है कि जेल की यातनाएँ मनुष्य के विचारों में परिवर्तन ला देती है। उस समय व्यक्ति धैर्य खो देता है। अतः मनुष्य को अपने विश्वासों पर दृढ़ता होनी चाहिए, उसे अपने विचारो पर अडिग होना चाहिए।

लघु उत्तरीय प्रश्न -2 अंक

1. भगत सिंह ने अपनी फाँसी के लिए किस समय की इच्छा व्यक्त की है?

उत्तर- भगत सिंह सभी भारतीयों के हृदय में अमिट छाप छोड़ने के लिए फौसी की सजा चुनते है और वे चाहते हैं मुझे फाँसी उस समय दी जाए जब आंदोलन अपनी चरम सीमा और विश्व स्तर पर हो।

2. भगत सिंह की विद्यार्थियो से क्या अपेक्षाएँ है ? [2013.2021, 2025]

उत्तर- भगत सिंह की विद्यार्थियों से निग्न अपेक्षाएँ हैं- (i) विद्यार्थी पढ़ने के साथ-साथ पॉलिटिक्स का भी ज्ञान रखें।
(ii) जरूरत पड़ने पर मैदान में कुद पड़े।
(iii) अपने देश के अस्तित्व की रक्षा करें।
(iv) देश को आजाद करवाने में पूरे सहयोग करे।

3. विद्यार्थियों को राजनीति में भाग क्यों नहीं लेना चाहिए?

उत्तर- विद्यार्थियों को राजनीति में भाग इसलिए नहीं लेना चाहिए क्योंकि इससे छात्रों की एकाग्रता भंग हो जाती है। उसका मन पढ़ाई से उतरकर राजनीति की तरफ आकर्षित होने लगता है।

4. विद्यार्थियों को राजनीति में भाग क्यों लेना चाहिए?

उत्तर- विद्यार्थियों को राजनीति में भाग लेना चाहिए क्योंकि इससे उन्हें देश में क्या हो रहा है, इसकी जानकारी मिलती है। इससे उनके सोचने की क्षमता बढ़ती है और वे जिम्मेदार नागरिक बनते हैं। पढ़ाई के साथ-साथ देश के बारे में जानना भी जरूरी है ताकि वे भविष्य में देश के काम आ सके।

5. भगत सिंह रूसी साहित्य को इतना महत्वपूर्ण क्यों मानते थे?

उत्तर- भगत सिंह रूसी साहित्य को इसलिए महत्वपूर्ण मानते है, क्योंकि इसमें क्रांति और स्वतंत्रता की भावना बहुत मजबूत थी। यह लोगों को अन्याय के खिलाफ खड़े होने और देश के लिए बलिदान देने की प्रेरणा देता है।

6. भगत सिंह के अनुसार केवल भगत सिंह के जीवन से कष्ट सहकर ही देश की सेवा की जा सकती है? स्पष्ट करें-

उत्तर- भगत सिंह मानते थे कि देश की सेवा करने के लिए कष्ट सहना जरूरी है। उनके जीवन में बहुत कष्ट आए, पर कभी हार नहीं माने। बल्कि स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिये। इसलिए वे कहते हैं देश की सेवा कष्ट सहकर ही की जा सकती है।

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.

वस्तुनिष्ट प्रश्न

1. एक पत्र किसको लिखा गया है?
(A) बटुकेश्वर दत्त (B) सुखदेव
(C) राजगुरु (D) चन्द्रशेखर

2. भगतसिंह के पिता और चाचा किसके सहयोगी थे
(A) चन्द्रशेखर आजाद (B) लाला लाजपत राय
(C) बटुकेश्वर दत्त (D) सुखदेव

3. शहीद भगतसिंह का हिन्दी लेख 'युवक' कब प्रकाशित हुआ था ?
(A) 1924 (B) 1930 (C) 1929 (D) 1940

4. भगतसिंह की पहली गिरफ्तारी कब हुई थी?
(A) 1926 (B) 1930 (C) 1928 (D) 1932

5. 'एक लेख और एक पत्र' के लेखक हैं- (BSEB, 2012,18, 20)
(A) सुखदेव (B) भगतसिंह (C) बालकृष्ण भट्ट
(D) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

6. 'एक लेख और एक पत्र' में भगतसिंह ने किसको पत्र लिखा है? (BSEB, 2021)
(A) अशफाक उल्ला खाँ को (B) सुखदेव को
(C) राजगुरु को (D) बिस्मिल को

7.'जीवन को समाप्त कर देना तो कायरता है'कथनहै-
(A) भगतसिंह का (B) जयप्रकाश नारायण का
(C) उदय प्रकाश का (D) मोहन राकेश का

8. भगतसिंह ने कैसी मृत्यु को सुन्दर कहा है ?
(A) अपराध के बदले दी गई फाँसी
(B) देश सेवा के बदले दी गई फाँसी
(C) दुर्घटना में हुई मृत्यु (D) उपर्युक्त सभी

9. भगतसिंह के चाचा का नाम क्या था ?
(A) सुप्रीत सिंह (B) अजीत सिंह
(C) गुरप्रीत सिंह (D) रणजीत सिंह

10. 'विद्यार्थी और राजनीति' शीर्षक निबन्ध किसका लिखा हुआ है?
(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) गुलाबराय
(C) भगतसिंह (D) दिनकर

11. 'मतवाला' पत्रिका कहाँ से निकलती थी?
(A) कानपुर (B) पटना (C) वाराणसी (D) कलकत्ता (कोलकाता)

12. भगतसिंह प्रभावित थे-
(A) महात्मा गाँधी से (B) कार्ल मार्क्स से
(C) फ्रायड से (D) एडलर से

13. 'मैं नास्तिक क्यों हूँ' यह किसका लेख है?
(A) भगतसिंह का (B) चन्द्रशेखर आजाद का
(C) सुखदेव का (D) खुदीराम बोस का

14. कुलबीर सिंह और कुलतार सिंह भगतसिंह के कौन थे ?(A) चाचा (B) मामा (C) भाई (D) भतीजा

15. गणेशशंकर विद्यार्थी किस पत्र का सम्पादन करते थे ?(A) मर्यादा (B) ब्राह्मण। (C) कर्मवीर
(D) प्रताप

16. भगतसिंह ने अपने मित्रों के साथ केन्द्रीय असेंबली में बम कब फेंका था?
(A) 10 अप्रैल, 1929 (B) 8 अप्रैल, 1929
(C) 16 अप्रैल, 1929 (D) 18 अप्रैल, 1930

17. 'बन्दी जीवन' किसका कृति है ?
(A) रवीन्द्रनाथ ठाकुर की (B) माइकेल मधुसूदन की
(C) शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय की (D) शचीन्द्रनाथ सान्याल की

18. 'प्रताप' के संस्थापक सम्पादक कौन थे?
(A) गणेशशंकर विद्यार्थी (B) माखनलाल चतुर्वेदी
(C) बालकृष्ण भट्ट (D) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

19. भगतसिंह का जन्म कब हुआ था ? (BSEB, 2024)
(A) 28 सितम्बर, 1907 (B) 22 अक्टूबर, 1908
(C) 23 मार्च, 1910 (D) 27 सितम्बर, 1909

20. भगतसिंह को फाँसी दी गई-
(A) 23 मार्च 1931 को (B) 24 मार्च 1931 को
(C) 25 मार्च, 1932 को (D) 22 मार्च 1931 को

21. प्रथम विश्वयुद्ध में इंग्लैण्ड किसके विरुद्ध लड़ा था ?
(A) भारत (B) आस्ट्रेलिया (C) अमेरिका (D) जर्मनी

22. चौराचौरी काण्ड कब हुआ था ?
(A) 1921 में (B) 1922 में
(C) 1924 में (D) 1920 में

23. 'एक लेख और एक पत्र' शीर्षक पाठ क्या है? (BSEB,2022)
(A) ऐतिहासिक पत्र (B) संस्मरण
(C) कहानी (D) कविता

24. भगत सिंह के पिता का क्या नाम था ? (BSEB, 2022)
(A) सरदार विशुन सिंह (B) सरदार किशन सिंह
(C) सरदार पीरत सिंह (D) सरदार कीरत सिंह

25. प्रिन्स क्रोपोटकिन किस विषय के विद्वान थे ? (BSEB,2023)
(A) हिंदी (B) अर्थशास्त्र (C) दर्शनशास्त्र
(D) मनोविज्ञान

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.